

प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.127/2026)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 2026

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइट: www.trai.gov.in

वर्ष 2025-26 के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा वार्षिक प्रदर्शन संकेतक"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने वर्ष 2025-26 के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा - वार्षिक प्रदर्शन संकेतक" रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रुझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाइट www.trai.gov.in और लिंक <http://www.trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports> पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री विजय कुमार, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-+91-20907773 एवं ई-मेल advfeal@traai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।


05/10/2026

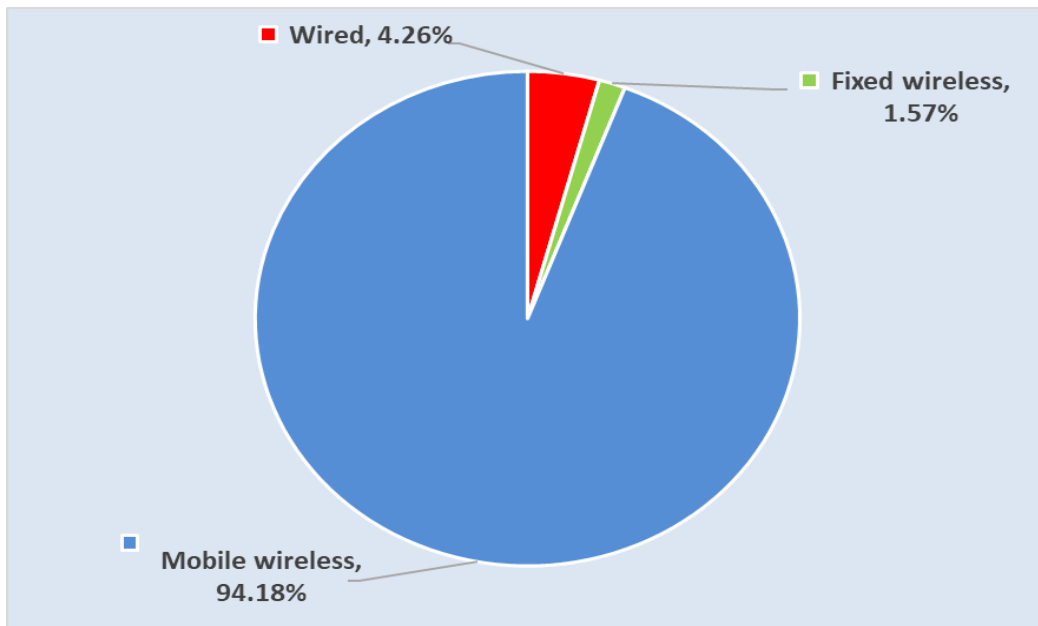
(हरिन्द्र कुमार)

सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या 12.76% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च-25 के अंत में 969.10 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 1092.79 मिलियन हो गई। मार्च-26 के अंत में कुल 1092.79 मिलियन इंटरनेट ग्राहकों में से ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 1065.88 मिलियन और नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 26.91 मिलियन है।

31 मार्च, 2026 तक इंटरनेट सब्सक्रिप्शन की संरचना



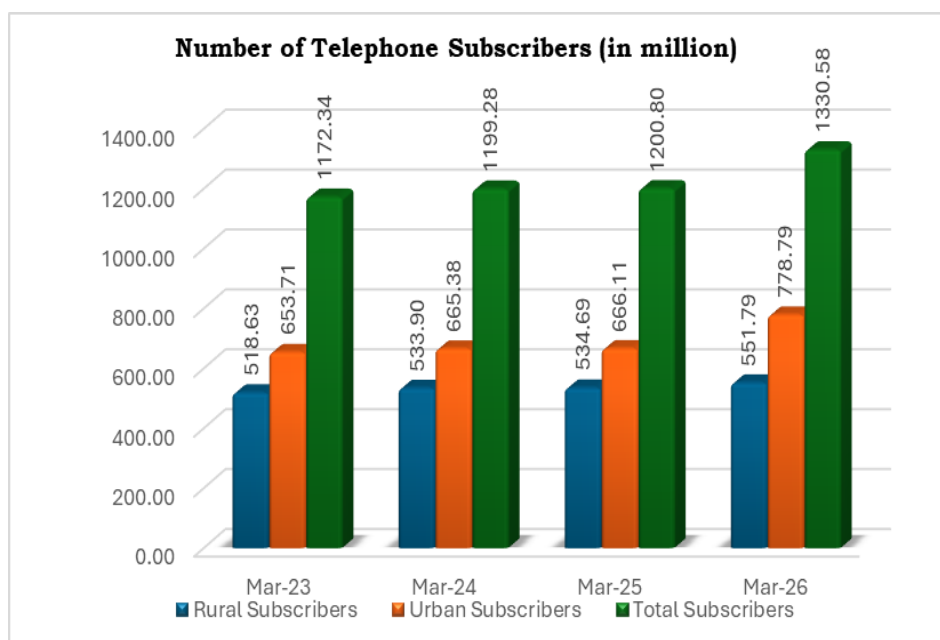
2. ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-25 के अंत में 944.12 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 1065.88 मिलियन हो गई, जिसमें वार्षिक वृद्धि दर 12.90% थी। नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या भी मार्च-25 के अंत में 24.98 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 26.91 मिलियन हो गई, जिसमें वार्षिक वृद्धि की दर 7.72% थी।
3. वायरलेस सर्विस के लिए प्रति यूजर औसत रेवेन्यू (ARPU) 2024-25 में 174.46 रुपये से बढ़कर 2025-26 में 180.73 रुपये हो गया, जिससे सालाना 3.59% की ग्रोथ रेट दर्ज की गई।

4. वर्ष 2025-26 के दौरान, प्रीपेड सर्विस के लिए प्रति यूज़र औसत रेवेन्यू (एआरपीयू) ₹190.66 और पोस्टपेड सर्विस के लिए प्रति यूज़र औसत रेवेन्यू (एआरपीयू) ₹119.76* था।
5. वर्ष 2025-26 के दौरान, प्रति सब्सक्राइबर प्रति माह औसत कुल यूसेज मिनट (MOU) 950* थे।
6. वर्ष 2025-26 के दौरान, पोस्टपेड सर्विस के लिए प्रति सब्सक्राइबर प्रति माह यूसेज मिनट (MOU) 305* और प्रीपेड सर्विस के लिए 1055 थे।
7. वायरलेस डेटा उपभोक्ताओं की संख्या 9.29% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च-25 के अंत में 939.51 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 1026.75 मिलियन हो गई है। इसके अलावा, वायरलेस डेटा उपयोग की कुल मात्रा 24.74% की वार्षिक वृद्धि के साथ वर्ष 2024-25 के दौरान 2,28,779 पीबी से बढ़कर वर्ष 2025-26 के दौरान 2,85,376 पीबी हो गई।
8. वायरलेस डेटा उपयोग से कुल राजस्व 11.53% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024-25 में 2,15,078 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 2,39,874 करोड़ रुपये हो गया।
9. वायरलेस डेटा उपयोग के लिए प्रति GB औसत रेवेन्यू 2024-25 में ₹8.97 से घटकर 2025-26 में ₹8.02 हो गया, जिसमें सालाना 10.59% की गिरावट आई।

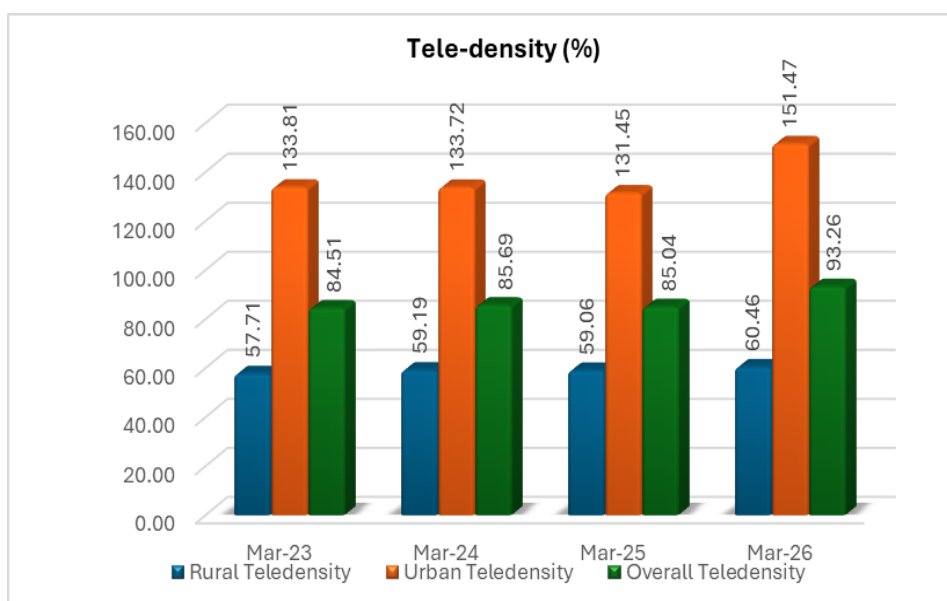
नोट: M/s भारती एयरटेल लिमिटेड (BAL) पहले की रिपोर्ट में अपने M2M सेल्युलर सब्सक्राइबर बेस को अपने वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शामिल नहीं कर रही थी, जबकि बाकी ऑपरेटर अपने M2M सेल्युलर सब्सक्राइबर बेस को अपने वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शामिल कर रहे थे। M/s BAL ने अब FY 2025-26 के लिए अपनी संशोधित रिपोर्ट दी है, जिसमें M2M सब्सक्राइबर बेस और उससे जुड़े इंडिकेटर शामिल हैं। इसके अनुसार, FY 2025-26 के लिए M/s BAL की संशोधित रिपोर्ट को शामिल करके वायरलेस सब्सक्राइबर बेस और उससे जुड़े इंडिकेटर की गणना की गई है।

10. प्रति वायरलेस डेटा सब्सक्राइबर, हर महीने औसत वायरलेस डेटा उपयोग 2024-25 में 21.53 GB से बढ़कर 2025-26 में 25.51 GB हो गया, जिसमें सालाना 18.49% की बढ़ोतरी हुई।
11. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 1,330.58 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2025 के अंत में 1,200.80 मिलियन थी, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 10.81% की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 9.66% की वृद्धि दर के साथ मार्च, 2025 के अंत में 85.04% से बढ़कर मार्च, 2026 के अंत में 93.26% हो गया।
12. मार्च, 2026 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में 16.92% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 778.79 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2025 के अंत में 666.11 मिलियन थी। और शहरी दूरसंचार घनत्व 15.23% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च, 2025 के अंत में 131.45% से बढ़कर मार्च, 2026 के अंत में 151.47% हो गया।
13. मार्च, 2026 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में 3.20% की वार्षिक वृद्धि की दर के साथ दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 551.79 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2025 के अंत में 534.69 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी मार्च, 2025 के अंत में 59.06% से बढ़कर मार्च, 2026 के अंत में 60.46% हो गया।

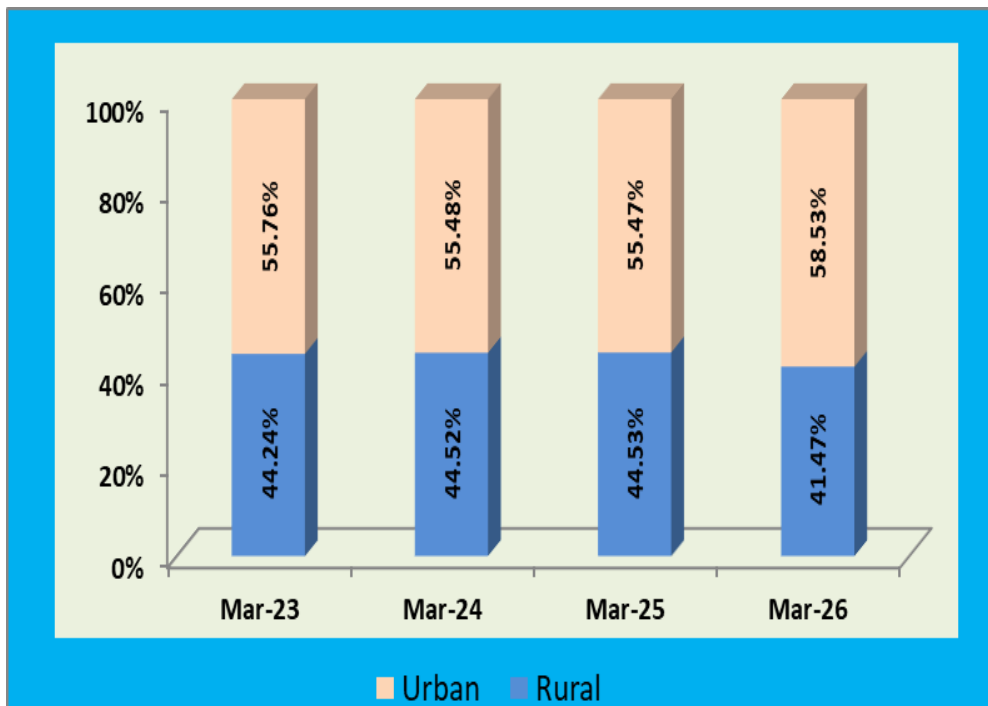
टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)



दूरसंचार टेलीघनत्व का रुझान

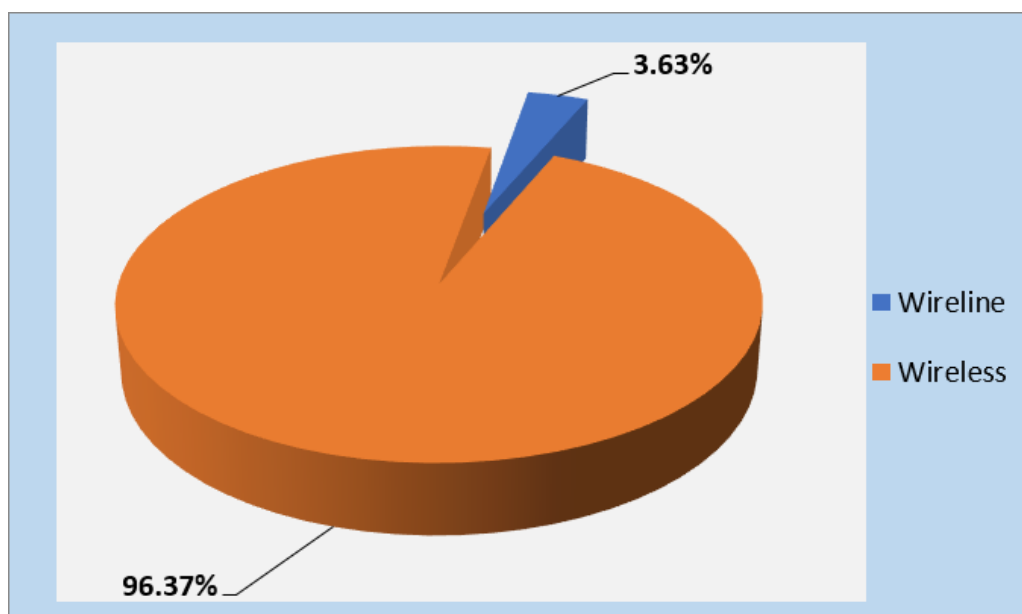


14. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2026 के अंत तक घटकर 41.47% हो गई जो कि मार्च, 2025 के अंत तक 44.53% थी। निम्नलिखित चार्ट चार वर्षों का टेलीफोन ग्राहकों की ग्रामीण-शहरी बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है।



15. मार्च-26 के अंत में कुल 1,330.58 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं में से वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,282.33 मिलियन और वायरलाइन टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 48.25 मिलियन थी। निम्नलिखित चार्ट भारत में वायरलेस और वायरलाइन उपभोक्ताओं की बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है

वायरलेस और वायरलाइन सब्सक्राइबर्स के बाजार हिस्सेदारी की संरचना

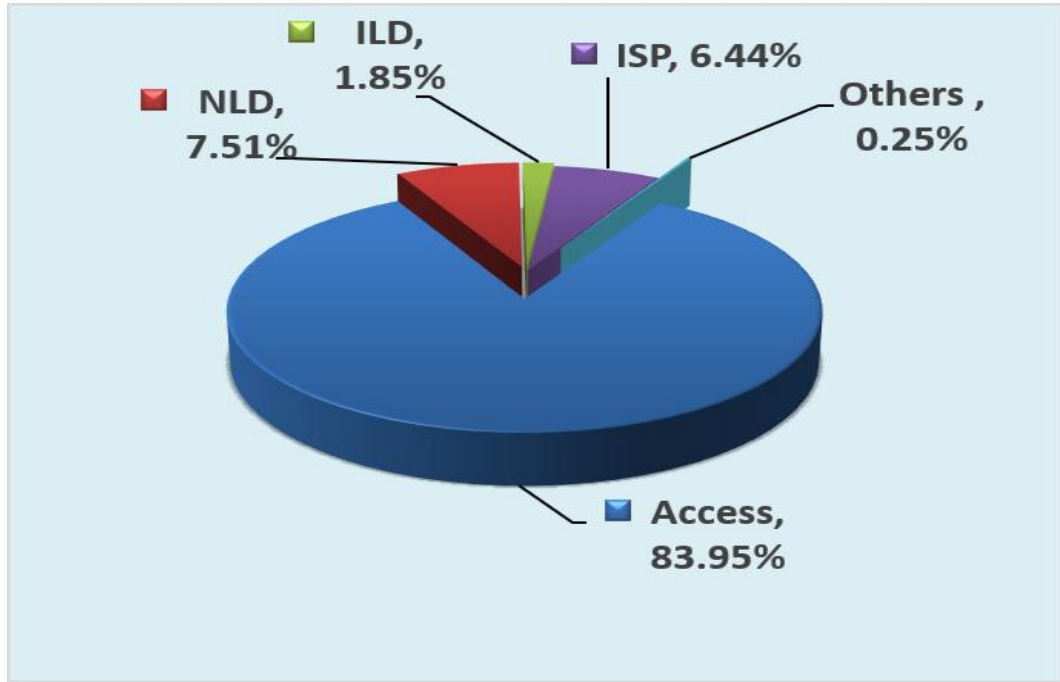


16. कुल वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-25 के अंत में 1,163.76 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 1,282.33 मिलियन हो गई, जिससे 10.19%* की वार्षिक वृद्धि दर देखी गई। वर्ष 2025-26 के दौरान 118.58 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की शुद्ध वृद्धि हुई।
17. समग्र वायरलेस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) टेलीघनत्व मार्च-25 के अंत में 82.42% से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 89.88% हो गया। मार्च-26 के अंत में ग्रामीण वायरलेस टेलीघनत्व 58.67% से बढ़कर 59.89% हो गया और शहरी वायरलेस टेलीघनत्व भी 124.83% से बढ़कर 143.10% हो गया।
18. वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-25 के अंत में 1,156.99 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 1,265.73 मिलियन हो गई, जिससे 9.40%* की वार्षिक वृद्धि दर देखी गई। वर्ष 2025-26 के दौरान 108.74 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की शुद्ध वृद्धि हुई।
19. वायरलेस (मोबाइल) टेलीघनत्व मार्च-25 के अंत में 81.94% से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 88.71% हो गया। मार्च-25 के अंत में ग्रामीण वायरलेस टेलीघनत्व 58.40% से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 59.08% हो गया और शहरी वायरलेस टेलीघनत्व भी 123.99% से बढ़कर 141.30% हो गया।
20. 30.25% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ कुल वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस मार्च-25 के अंत में 37.04 मिलियन से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 48.25 मिलियन हो गया।
21. समग्र वायरलाइन टेली-घनत्व मार्च-25 के अंत में 2.62% से बढ़कर मार्च-26 के अंत में 3.38% हो गया। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व 0.39% से बढ़कर 0.57% हो गया और शहरी वायरलाइन टेली-घनत्व भी 6.62% से बढ़कर 8.37% हो गया।

नोट: *मैं भारती एयरटेल लिमिटेड ने FY 2025-26 में अपने वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में अपने एमटूएम सेल्युलर सब्सक्राइबर बेस को शामिल करना शुरू कर दिया है। नतीजतन, मार्च 2026 के अंत में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में काफी बढ़ोतरी हुई है।

22. सकल राजस्व (जीआर) 8.59% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024-25 में 3,72,097 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 4,04,067 करोड़ रुपये हो गया और लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) इसी अवधि के दौरान 7.12% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 3,56,283/- करोड़ रुपये से बढ़कर 3,81,645/- करोड़ रुपये हो गया। समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भी 10.44% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024-25 में 3,03,025 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 3,34,659 करोड़ रुपये हो गया।
23. पास थ्रू शुल्क 13.63% की हास दर के साथ वर्ष 2024-25 में 52,879 करोड़ रुपये से घटकर वर्ष 2025-26 में 45,673 करोड़ रुपये हो गया। सकल राजस्व के प्रतिशत के रूप में पास-थ्रू शुल्क 2025-26 में 11.30% रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 14.21% था।
24. स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) 6.12% की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024-25 में 3,807 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 4,040 करोड़ रुपये हो गया और इसी अवधि के दौरान लाइसेंस शुल्क भी 10.40% की वृद्धि के साथ 24,242 करोड़ रुपये से बढ़कर 26,763 करोड़ रुपये हो गया।

वर्ष 2025-26 के दौरान समायोजित सकल राजस्व की सेवावार संरचना



25. दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में एक्सेस सेवाओं का योगदान 83.95% था। एक्सेस सेवाओं में, वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में सकल राजस्व (जीआर), लागू सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) में क्रमशः 7.32%, 6.77%, 10.85%, 10.84% एवं 6.26% की वृद्धि हुई। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान पास थ्रू शुल्क में 16.46% की गिरावट हुई।
26. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा 31.03.2026 तक कुल 917 निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है। भारत में 917 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से 908 चैनल डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध हैं।
27. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 908 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से 31 मार्च 2026 तक 342 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 342 पे टीवी चैनलों में से 238 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल और 104 एचडी सैटेलाइट पे टीवी

चैनल हैं। ट्राई को सूचित किए गए इन पे चैनलों के अलावा, एमआईबी द्वारा अनुमत शेष 566 चैनलों को फ्री-टू-एयर (एफटीए) चैनल है।

28. 31 मार्च, 2026 को समाप्त अवधि के दौरान, भारत में 4 पे डीटीएच सेवा प्रदाता थे। पे डीटीएच सेवा प्रदाताओं का 31 मार्च, 2025 तक 56.92 मिलियन उपभोक्तों की तुलना में 31 मार्च, 2026 तक लगभग 49.05 मिलियन का सक्रिय सब्सक्राइबर बेस है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तों की संख्या के अलावा है।
29. ऑल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, 31 मार्च 2025 तक 113 शहरों में 33 एफएम रेडियो प्रसारणकर्ता द्वारा 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन चालू थे। 31 मार्च 2026 के अनुसार 31 निजी एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा संचालित 120 शहरों में 390 परिचालन निजी एफएम रेडियो चैनल हैं।
30. एफएम रेडियो ऑपरेटरों की रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से होने वाली कमाई 2024-25 में ₹1818.71 करोड़ से घटकर 2025-26 में ₹1616.42 करोड़ हो गई।
31. 31 मार्च 2025 तक 531 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की तुलना में 31 मार्च 2026 को 564 सामुदायिक रेडियो स्टेशन चालू हैं।

स्नैपशॉट

31 मार्च, 2026 की स्थिति के अनुसार डाटा

दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,330.58 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	10.81%
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	778.79 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	551.79 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.32%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.68%
कुल दूरसंचार घनत्व	93.26%
शहरी दूरसंचार घनत्व	151.47%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	60.46%
कुल दूरसंचार घनत्व (M2M सेल्युलर मोबाइल के बिना)	84.57%
वायरलैस उपभोक्ता	
वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबर	1,265.73 मिलियन
वायरलैस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की संख्या (M2M सेल्युलर सब्सक्राइबर के बिना)	1,141.85 मिलियन
वायरलैस (एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्या	16.61 मिलियन
कुल वायरलैस (मोबाइल+एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्या	1,282.33 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	10.19%
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	735.73 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	546.60 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.74%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.26%
दूरसंचार घनत्व	89.88%
शहरी दूरसंचार घनत्व	143.10%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	59.89%
दूरसंचार घनत्व (M2M सेल्युलर मोबाइल के बिना)	81.19%
पब्लिक मोबाइल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	66,325
वीसैट की कुल संख्या	2,01,239
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	48.25 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	30.25%
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	43.06 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	5.19 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	81.16%
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	18.84%
दूरसंचार घनत्व	3.38%
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.57%

शहरी दूरसंचार घनत्व	8.37%
पब्लिक कॉल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	5,167
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	1092.79 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	12.76%
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	1065.88 मिलियन
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	26.91 मिलियन
वायरड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	46.54 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	1046.26 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	651.93 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	440.87 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	76.59
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	126.80
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	48.31
दूरसंचार वित्तीय आंकड़े (वर्ष 2025-26 के लिए)	
सकल राजस्व (जीआर)	4,04,067 करोड़
पिछले वर्ष की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	8.59%
लागू सकल राजस्व (एपीजीआर)	3,81,645 करोड़
पिछले वर्ष की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	7.12%
समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	3,34,659 करोड़
पिछले वर्ष की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	10.44%
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	3.02%
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	917
पे-टीवी चैनलों की संख्या	342
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	390
एफएम रेडियो विज्ञापन राजस्व (2025-26)	1616.42 करोड़
एक्टिव डीटीएच पे-उपभोक्ताओं की संख्या	49.05 मिलियन
चालू कम्युनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	564
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड (वर्ष 2025-26 के लिए)	
वायरलैस सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	180.73 रुपए
पिछले वर्ष की तुलना में एआरपीयू में परिवर्तन	3.59%
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) - वायरलैस	950.11 मिनट
वायरलैस सेवाओं के लिए प्रति डेटा सब्सक्राइबर प्रति माह वायरलैस डेटा के लिए औसत	245.66 रुपए
प्रति उपभोक्ता प्रति जीबी वायरलैस डेटा औसत राजस्व प्राप्ति	8.02 रुपए
प्रति वायरलेस डेटा सब्सक्राइबर प्रति माह औसत वायरलेस डेटा उपयोग	25.51 जीबी